Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
July to September 2026, E-Journal, Vol. I, Issue LV (55), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

रानीखेत के प्रमुख पर्यटन स्थल एवं दर्शनीय स्थल (रानी का मैदान) का परिदृश्य

डॉ. लक्ष्मी देवी*

* असि0 प्रोफेसर (भूगोल) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत (अल्मोड़ा) (उत्तराखंड) भारत

शोध सारांश – उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा जिले में समुद्र तल से 1,869 मीटर की ऊँचाई पर स्थित रानीखेत जिसका अर्थ रानी का खेत है। रानीखेत अपनी प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए मनमोहक है यहाँ पर शांत और खूबसूरत हील स्टेशन हैं। रानीखेत देवभूमि हैं। यहाँ पर प्राचीन समय में देव तपस्या करने हेतु आते थे। देवदार एवं चीड़ के जंगलों से घिरा यह शहर भारतीय सेना कि कुमाँऊ और नागा रेजीमेन्ट के मुख्यालय के नाम से जाना जाता है। यहाँ पर सीमावल का मुख्यालय भी हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल जैसे–चौबटिया गार्डन, गोल्फकोर्स, भालूबांध, कुमाँऊ रेजिमेंट सेन्टर संग्रहालय, हेड़ाखान मन्दिर, कालिका मन्दिर पर्यटकों का मन मोह लेते हैं।

प्रस्तावना – रानीखेत इस पर्वतीय नगरी तक अल्मोड़ा और नैनीताल से भी आसानी से पहुँचा जा सकता हैं। रानीखेत क्षेत्र भारत के उत्तराखण्ड राज्य के अल्मोंड़ा जिले में स्थित हैं। और एक प्रसिद्ध पर्वतीय पर्यटन स्थल और दर्शनीय स्थल (छावनी नगर भी) है। रानीखेत अनेक सुन्दर स्थल, चीड़ के वन और फलों के बाग है। चौबटिया, जहाँ राज्य सरकार के फलों के बाग है, यहाँ से अधिक दूरी नही हैं। यहाँ पर गोल्फ कोर्स भी प्रसिद्ध हैं। यहाँ एक रज्जु मार्ग भी है। इसमे नोरम स्थल से बहुत समय पहले कुमाँऊ के एक चन्द राजा की रानी गुजर रही थी। उसे यह स्थान इतना मनोरम लगा कि उसने यहीं पर अपना डेरा डाल दिया। जहाँ पर आज कल रानीखेत क्लब है। उस समय वह एक खेत था। रानीखेत नाम उसी रानी के खेत के नाम पर पड़ा। वास्तव में यह नगर हिल स्टेशनों की रानी है। इस नगर की खोज सर्व प्रथम अंग्रेजो ने की थी।

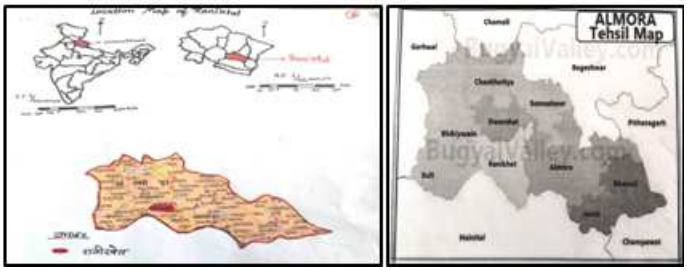




एकदृष्टि में रानीखेत क्षेत्र से सम्बन्धित आँकड़े–

रानीखेत नगर की स्थापना	–	1869 ई0
क्षेत्रफल	–	4183 एकड़
कुल जनसख्या	–	19,049 (नगर)
2011 जनगणना		
पुरूष	–	11,412
स्त्री	–	7,472
साक्षरता दर	–	95.21 प्रतिशत

भौगोलिक स्थिति



ऊँचाई – 1869 मीटर (6132 फीट)

दूरी– यह नैनीताल से लगभग 59 किमी,अल्मोड़ा से 45 किमी दिल्ली से 341 किमी और देहरादून से 310 किमी दूर है।

धरातलीय स्वरूप– घुमाव दार पहाड़ियाँ, समतल मैदानों और घनेदेव दार और चीड़ के जंगलो में घिरा हुआ है यहाँ की जलवायु ठण्डी एवं सुहावनी रहती है।

भौगोलिक निर्देशांक :– 29.65^0 उत्तर अक्षांश और 79.42^0 पूर्व देशान्तर हैं।

प्रमुख प्रर्यटन स्थल एवं दर्शनीय स्थल :– मनकामेश्वर मन्दिर, हनुमान मन्दिर, झूलादेवी मन्दिर, नैसर्गिक सुन्दरता, गोल्फ कोर्स।

तापमान :– अधिकतम तापमान 27^0 C से 32^0 C के बीच रहता हैं।

न्यूनतम तापमान – सर्दियों में 3^0 C तक गिर जाता हैं।

वर्षा :– औसतन 1200 मिमी से 1500 मिमी के बीच।

शहर में सबसे अधिक वर्षा जुलाई एवं अगस्त के महिनों में मानसून के दौरान दर्ज की जाती हैं।

भाषा:– हिन्दी एवं कुमाँउनी।

छावनी होने के कारण अंग्रेजी भी बोलते हैं।

रानीखेत की प्रमुख नदियाँ:– कोसी एवं रामगंगा।

प्रमुख फसलें :–गेंहूँ, मक्का, धान, जौ, और मंडुआ (कोदा), भट्ट की दाल, पारम्परिक खाद्यान्न फसलें उगाई जाती हैं। उसके अतिरिक्त ठंडी जलवायु होने के कारण यहाँ सेब, आडू, खुंबानी, आलूबुखारा और अखरोट जैसी फल का उत्पादन किया जाता हैं।

सब्जियाँ–आलू, गोभी, मूली, ककड़ी, मटर, टमाटर, लोकी उगाई जाती हैं।

पशुपालन :– रानीखेत और उसके आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में पशुपालन (आजीविका, आय और कृषि का एक मुख्य हिस्सा हैं)। यहाँ पर मुख्य रूप से गाय (वद्रीगाय) भेड़, बकरी, मुर्गीपालन, मत्स्य पालन भी किया जाता हैं।

खनिज पदार्थ :– ताबाँ, चूना, लोहा, टंग्स्टन, डोलोमाइट।

धर्म एवं संस्कृति :– रानीखेत अपने धार्मिक स्थलों, समृद्ध, कुमाँउनी संस्कृति और शान्तिपुर्ण आध्यात्मिक माहौल के लिए जाना जाता हैं। रानीखेत में मुख्यरुप से हिन्दु धर्म के अनुयायी रहते हैं। परन्तु सभी धर्मो के लोग मिल–जुलकर रहते हैं। रानीखेत की संस्कृति एवं परम्परा में कुमाँउनी झलक मिलती हैं। तो यहाँके लोकगीत, नृत्यों और खान–पान में दिखती हैं।

1. भाषा।
2. त्यौहार।
3. लोककला एवं संगीत।
4. हस्तशिल्प और पहनाउ।
5. ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व।

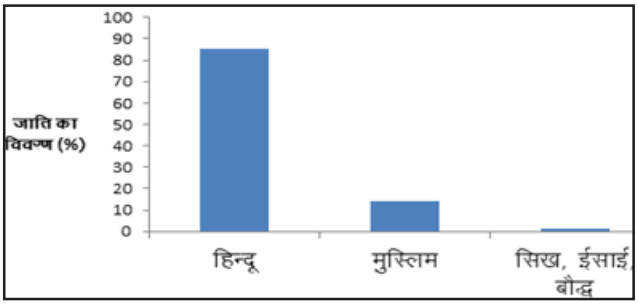
धर्म/जातियों का विवरण :–

(2011 में जनसंख्या के धर्म आधारित जनगणना के आँकड़े)

क्र.	धर्मजाति का नाम	प्रतिशत
1.	हिन्दु	85.11
2.	मुस्लिम	14.00
3.	सिख, ईसाई, बौद्ध	01.00 से कम
	कुल योग	**100.00**

स्रोत :–

1. उत्तराखंड समग्र अध्ययन।
2. नेट द्वारा प्राप्त आंकड़े।
3. सांख्यिकीय पत्रिका उत्तराखण्ड।



प्राकृतिक वनस्पति :– यह क्षेत्र चीड़, बांज और देवदार के सघन जंगलों से आच्छादित हैं।

मिट्टियाँ :– रानीखेत के पर्वतीय और पहाड़ी क्षेत्रो में मुख्य रूप से तीन प्रकार की मिट्टियाँ पाई जाती हैं।

1. पर्वतीय वन मिट्टी।
2. क्वार्टजाइट मिट्टी।
3. जलोढ़ मिट्टी।

परिवहन के साधन :– रानीखेत पहुँचने हेतु एवं घूमने के लिए सड़क परिवहन ही मुख्य साधन हैं। मुख्य साधनों के रूप में निजी टैक्सी। कैब, उत्तराखण्ड परिवहन निगम (UTC) की बसें और कार शामिल हैं।

रानीखेत के प्रमुख पर्यटन स्थल एवं दर्शनीय स्थल :– उत्तराखण्ड के कुमाँउ क्षेत्र में स्थित रानीखेत एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन हैं। यहाँ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में चोबटिया गार्डन, झूला देवी मन्दिर, उपत गोल्फ कोर्स और भालू डैम शामिल हैं।

1. **झूला देवी मन्दिर :–** यह मन्दिर लगभग 700 साल पुराना यह मन्दिर माँ दुर्गा देवी का हैं। यहाँ पर मन्नत पूरी होने के बाद भक्त घंटियाँ बाँधते हैं। यहाँ पर भक्तजन अधिक मात्रा में आते हैं।



2. **चौबटिया गार्डन :–** चौबटिया गार्डन यह स्थान सेब, आडू. और खुबानी के विशाल बागो के लिए प्रचलित हैं। यहाँ से नन्दा देवी और त्रिशूल चोटियों का शानदार नजारा देखने को मिलता हैं। पर्यटक ज्यादा मात्रा में आते हैं। मौसम सुहाना एवं प्राकृतिक सौन्दर्य स्थल हैं।
3. **भालू डैम :–** चौबटिया गार्डन के पास यह छोटा और शांत कृत्रिम जलाशय हैं। जो अंग्रेजो द्वारा 1903 में बनाया गया था। जिसमें भविष्य के लिए जल संरक्षण किया जाता हैं।
4. **रानीझील :–** छावनी बोर्ड द्वारा जल संरक्षण के लिए बनाई गई हैं यह कृत्रिम झील हैं जहाँ पर बोटिंग की जाती हैं। पास ही फोटोग्राफी करने हेतु गार्डन भी बना हैं।



5. हैड़ाखान बाबाजी मन्दिर :- यह मन्दिर भगवान शिव को समर्पित आश्रम बना हैं। शान्त स्थान पर हैं यहाँ पर विदेशी बहुत आते हैं हैड़ाखान मन्दिर में हॉस्पिटल बने हैं जिसमें देश-विदेश से व्यक्ति अपना ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कराने के बाद अपना इलाज कराने एवं थेरेपी, योग करने हेतु आते हैं। भोजन की व्यवस्था डॉक्टर के परामर्श पर दी जाती हैं। व्यवस्था बने आश्रम में रहने एवं खाने की होती हैं।



6. आशियाना पार्क :- यह रानीखेत में सदर बाजार के पास हैं जिसमें अनेक प्रकार के रंग-बिरंगे फब्बारे, जूलाँजिकल पार्क, हर्बल गार्डन और हिमालय के नजारें देखने हेतु व्यू-पॉइंट बने हैं। इसका प्रवेश शुल्क मात्र 5 रू हैं। मनोरम दृश्य देखे जात हैं।

7. कुमाँऊ रेजिमेंट सेन्टर संग्रहालय :- KRC Musium भी कहा गया हैं। यह ऐतिहासिक एवं इतिहास प्रेमियों के लिए बहुत ही बेहतरीन स्थल हैं जहाँ कुमाँऊ और गढ़वाल रेजिमेंट के इतिहास और अस्त्र-शस्त्रों को प्रदर्शित किया गया हैं।

8. उपत और कालिका-रानीखेत से लगभग 6 किमी की दूरी पर स्थित हैं। दो बेहद शान्त और सुरम्य गॉव हैं उपत अपने शानदार आर्मी गोल्फ कोर्स और आकर्षण नगरों के लिए जाना जाता है। वही कालिका गॉव अपने प्रसिद्ध 500 साल पुराने देवी मन्दिर के कारण पर्यटकों और श्रद्धालुओं के बीच तालमेल बनाये हैं। यहाँ से बर्फ से ढ़के हिमालय की चोटियों और घने चीड़ और देवदार के जंगलो का मनमोहक नजारा दिखता है।

माँ कालिका मन्दिर स्थानीय कुमाँऊ रेजीमेंट के जवानों के बीच बेहद पवित्र माना जाता हैं।

9. मनकामेश्वर मन्दिर- इस मन्दिर की स्थापना कुमाँऊ रेजीमेंट द्वारा स्थापित किया गया है और यह भगवान शिवजी का मन्दिर मनोकामना बना है। यह मन्दिर मुख्य शहर में बना है।

निष्कर्ष-रानीखेत प्राकृतिक सुन्दरता, समृद्ध सैन्य इतिहास और आध्यात्मिक, ऐतिहासिक स्थल, शान्ति का अनूठा संगम है। यहॉ प्रमुख पर्यटक स्थल एवं दर्शनीय स्थल, जैसे- प्राचीन मन्दिर, गोल्फकोर्स, संग्रहालय मनमोहक बगीचे पर्यटकों को एक यादगार अनुभव प्रदान करते है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:-

1. उत्तराखण्ड सामान्य ज्ञान
2. उत्तराखण्ड का भूगोल - राजेश नौटियाल जी एंव चौनियाल जी
3. उत्तराखण्ड समग्र अध्ययन
4. सांख्यिकीय पत्रिका उत्तराखण्ड
5. उत्तराखण्ड समग्र ज्ञान कोष- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बलोढ़ी
6. उत्तराखण्ड में पर्यटन के नए क्षितिज- डॉ. हरिमोहन
7. उत्तराखण्ड की खोज- डॉ. आर0 पी0 ध्यानी
8. उत्तराखण्ड का भूगोल- डॉ. डी0 डी0 मैठाणी, डॉ. गायत्री प्रसाद
9. हिमालय दर्शन- डॉ. कृष्ण नारायण गोसाई
10. पर्यटन एंव यात्रा के सिद्धान्त- डॉ. जगमोहन सिहँ
11. हमारा उत्तराखण्ड- डॉ. के0 सी0 पुरोहित
12. नेट द्वारा प्राप्त आँकड़े
13. संस्कृति, पर्यावरण और पर्यटन- डॉ. हरिमोहन
14. उत्तराखण्ड का पर्यटन विकास- डॉ. ताजरावत
15. उत्तराखण्ड एंव सर्वेक्षण- डॉ. गोविन्द चातक

****